केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय:

आचार्य प्रथमसत्रार्द्धम् – बौद्धदर्शन-पालिविभागस्य

पत्रसङ्केत:	पाठ्यक्रमविवरणम्	क्रेडिट	यूनिट	होरा
DSCC 16	**आधारग्रन्थ:-** 1. ***धम्मपदं*** **(यमकवग्गस्स** गाथासंख्या- 1, 2, 5, 13, 14); 2. (**अप्पमादवग्गस्स** गाथासंख्या- 1-5, 8, 10); **चित्तवग्गस्स** गाथासंख्या- 1-11) ; (**बालवग्गस्स** गाथासंख्या- 1-16) ; (**अरहन्तवग्गस्स** गाथासंख्या- 1, 2, 5, 7-9) ; (**सहस्सवग्गस्स** गाथासंख्या- 1-4, 7-16) **3. धम्मपद , सम्पादक:-** भिक्षुधर्मरक्षित **प्रकाशक:-** मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। **4. धम्मपदपालि एवं मिलिन्दपञ्हो** प्रकाशक:- पालि- अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसर:, 2020			
	1. पुब्बङ्गमा धम्मा, सेट्ठा धम्मा, सनन्तनो धम्मो, अभावितस्स चित्तस्स दोसो, सुभावितस्स चित्तस्स गुणो, 2. पमादस्स चित्तस्स लक्खणानि दोसा च। 3. अप्पमादस्स चित्तस्स लक्खणानि गुणा च, अनुत्तरनिब्बानस्स लाभी, 4. विपुलसुखलाभी, धीरानं दिट्ठि।	1	1	16-20
	1. चित्तस्स सरूपं। 2. मिच्छापणिहितचित्तस्स दोसो, सम्मापणिहितचित्तस्स च गुणो। 3. बालस्स सरूपं तस्स च संकप्पो।	1	1	16-20
	1. अरहं, उत्तमो पुरिसो, रमणीया भूमि। 2. उपसमकं पदं, उत्तमो सङ्गामजि, सेयसी पूजना, सेयसी अभिवादना	1	1	16-20
	1. अभिवादनशीलस्स गुणो, सेयो जीवितं। 2. धम्मपदस्स महत्तं।	1	1	16-20

	आधारग्रन्थः- **1. धम्मपदपालि एवं मिलिन्दपञ्हो (पठमदुतिया परिच्छेदा)** प्रकाशकः- पालि- अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसरः, 2020 **2. मिलिन्दपञ्हपालि, सम्पादकः-** स्वामी द्वारिकादासशास्त्री **प्रकाशकः-** बौद्धभारती, वाराणसी, 2006			
DSCC 17	1. पुब्बजातिकथा 2. पूरणेन कस्सपेन मिलिन्दस्स समागमो। 3. मक्खलिगोसालेन मिलिन्दस्य समागमो। 4. आयसमता अस्सगुत्तेन भिक्खुसंघो संनिपातितो। 5. महासेन देवपुत्तं इधागमनाय याचेसि। 6. आयस्मतो रोहणस्स दण्डकम्मं। 7. नागसेनस्स दहरकालो। 8. आयस्मता रोहणेन नागसेनस्स सागमो। 9. नागसेनस्स पब्बज्जा।	1	1	16-20
	1. आयस्मता नागसेनस्स दण्डकम्मं। 2. आयस्मतो नागसेनस्स धम्मदेसना 3. आयस्मतो नागसेनस्स पाटलिपुत्तगमनं। 4. आयस्मतो नागसेनस्स अरहन्तभावो। 5. आयस्मतो आयुपालेन मिलिन्दस्स समागमो। 6. आयस्मतो नागसेनेन मिलिन्दस्स पठमसमागमो। 7. रथूपमाय अनत्तवाददीपनं। 8. वस्सगणनपञ्हो।	1	1	16-20

	1. पण्डितावादो राजवादो च। 2. अनन्तकायस्स उपासकत्तं। 3. किमत्था पब्बज्जा। 4. को न पटिसनदहति। 5. मनसिकारस्स लक्खणं। 6. पञ्ञाय लक्खणं। 7. कुसला धम्मा। 8. न च सो, न चअञ्ञो। 9. जातिक्खयञाणं। 10. ञाणं च पञ्ञा च। 11. कायिका चेतसिका च वेदना। 12. को पटिसन्दहति। 13. ननु नागसेनो परिसन्दहिस्सति	1	1	16-20
	1. कतमं नामं रूपं च। 2. तयो अद्धा। 3. अविज्जामूलका। 4. पुरिमा कोटि न पञ्ञायति। 5. कतमा पुरिमा कोटि। 6. सङ्खारानं उप्पादो निरोधो च। 7. भवन्ता येव सङ्खारा जायन्ति। 8. न हेत्थ वेदगू उपलब्भति। 9. पठमं चक्खुविञ्ञाणं, पच्छा मनोविञ्ञाणं। 10. फस्सपमुखा धम्मा। 11. चेतसिका धम्मा एकभावगता।	1	1	16-20

DSCC 18	**आधारग्रन्थः-**			
	1. पालिभासाय पम्परा महत्तं च।	1	1	16-20
	1. तिपिटकस्स सङ्क्खितो परिचयो	1	1	16-20
	1. धम्मसङ्गीतीनं परिचयो	1	1	16-20
	1. पालिवंससाहिच्चस्स संक्खित्तो परिचयो	1	1	16-20
DSCC 19	**आधारग्रन्थः-** **1. महासामिधम्मकीत्तिप्पणीतं बालावतारं** सम्पादको- स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, प्रकाशकः- बौद्धभारती, वाराणसी, 2007 **2. कच्चायनव्याकरणं** सम्पादका- लक्ष्मीनारायण तिवारी बीरबलशर्मा च। प्रकाशकः- तारा बुक एजेन्सी, वारणसी, 1989			
	1. नामकप्पे कारककप्पो	1	1	16-20
	1. कम्मधारयो, तप्पुरिसो, बहुब्बीहि, द्वन्दो, अब्ययीभावो।	1	1	16-20
	ण, णायन, णेय्य, णि, णव, णेर, णिको, इम, इय, कण, ल, तर, तम, सी, इक, ई, रो, वन्तु, मन्तु, म, थ, ठ, तिय, धा, था, थं पच्चया।	1	1	16-20
	पालिवाक्यावली	1	1	16-20